धौलपुर में पहले विज्ञान केंद्र का उद्घाटन: डॉ. जितेंद्र सिंह ने किया युवा नवाचार केंद्र का उद्घाटन

मुख्य बिंदु:

- केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, डॉ. जितेंद्र सिंह ने राजस्थान के धौलपुर में पहले विज्ञान केंद्र का उद्घाटन किया।
- यह केंद्र देश भर के आकांक्षी जिलों में स्थापित किए जा रहे विज्ञान संग्रहालयों की एक प्रमुख पहल का हिस्सा है।
- केंद्र का उद्देश्य विज्ञान और समाज के बीच के अंतर को पाटना और छात्रों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करना है।
- केंद्र में इंटरएक्टिव प्रदर्शन, STEM आधारित शिक्षण मॉड्यूल, और नवाचार व स्थानीय उद्यमिता के लिए व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जाएगा।
- डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस केंद्र के माध्यम से ग्रामीण सशक्तिकरण और सतत विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाएगा।
- धौलपुर विज्ञान केंद्र में आगामी महीनों में विज्ञान आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी और यह सामुदायिक आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रमों को बढ़ावा देगा।

- ***आकांक्षी जिलों में विज्ञान संग्रहालय पहल :*** - भारत सरकार ने आकांक्षी जिलों में विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं। इन जिलों में विज्ञान संग्रहालयों की स्थापना और मोबाइल विज्ञान संग्रहालयों के माध्यम से छात्रों में वैज्ञानिक सोच और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित किया जा रहा
- **अन्य प्रस्तावित विज्ञान संग्रहालय केंद्र : -** चंबा (हिमाचल प्रदेश), नमसाई और दिरांग (अरुणाचल प्रदेश), कोकराझार (असम), अंबाला (हरियाणा), शिवमोग्गा और रायचूर (कर्नाटक), उज्जैन और जबलपुर (मध्य प्रदेश), अजमेर, कोटा, उदयपुर और बीकानेर (राजस्थान), देहरादून (उत्तराखंड) आदि।

- इसके साथ ही केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने 25 मोबाइल विज्ञान संग्रहालयों की शुरुआत की है, जिनमें से एक लद्दाख के लेह में है। ये संग्रहालय विशेष रूप से आकांक्षी जिलों के स्कूलों में जाते हैं और छात्रों को विज्ञान के प्रति जागरूक करते हैं। प्रत्येक बस में 20 इंटरएक्टिव प्रदर्शनियाँ और अन्य डेमोंस्ट्रेशन होते हैं, जो बच्चों और ग्रामीण जीवन से संबंधित होते हैं।
- इन पहलों से आकांक्षी जिलों में छात्रों में वैज्ञानिक सोच और नवाचार की भावना को बढ़ावा मिलेगा, जो भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

आकांक्षी जिला कार्यक्रम के बारे में (Aspirational District Programme - ADP)

- प्रारंभ: जनवरी 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया।
- लक्ष्य: देश के 112 पिछड़े जिलों में स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, कृषि, जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे में सुधार करना।
- मूल आधार: 81 संकेतकों के आधार पर जिलों की प्रगति की निगरानी और मूल्यांकन।
- स्थानीय नेतृत्व: जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों को सक्रिय रूप से शामिल करना और उन्हें जिम्मेदारी देना।
- नवाचार और विज्ञान केंद्र: आकांक्षी जिलों में नवाचार और विज्ञान के क्षेत्र में भी सुधार की दिशा में कदम उठाए गए हैं। उदाहरण के लिए, धौलपुर, राजस्थान में विज्ञान केंद्र की स्थापना की गई है।
- आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (ABP): 2023 में शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य देश भर के 500 ब्लॉकों में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, अवसंरचना और सामाजिक विकास जैसे क्षेत्रों में सुधार करना है।

- इसके साथ ही केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने 25 मोबाइल विज्ञान संग्रहालयों की शुरुआत की है, जिनमें से एक लद्दाख के लेह में है। ये संग्रहालय विशेष रूप से आकांक्षी जिलों के स्कूलों में जाते हैं और छात्रों को विज्ञान के प्रति जागरूक करते हैं। प्रत्येक बस में 20 इंटरएक्टिव प्रदर्शनियाँ और अन्य डेमोंस्ट्रेशन होते हैं, जो बच्चों और ग्रामीण जीवन से संबंधित होते हैं।
- इन पहलों से आकांक्षी जिलों में छात्रों में वैज्ञानिक सोच और नवाचार की भावना को बढ़ावा मिलेगा, जो भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

आकांक्षी जिला कार्यक्रम के बारे में (Aspirational District Programme - ADP)

- प्रारंभ: जनवरी 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया।
- लक्ष्य: देश के 112 पिछड़े जिलों में स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, कृषि, जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे में सुधार करना।
- मूल आधार: 81 संकेतकों के आधार पर जिलों की प्रगति की निगरानी और मूल्यांकन।
- स्थानीय नेतृत्व: जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों को सक्रिय रूप से शामिल करना और उन्हें जिम्मेदारी देना।
- नवाचार और विज्ञान केंद्र: आकांक्षी जिलों में नवाचार और विज्ञान के क्षेत्र में भी सुधार की दिशा में कदम उठाए गए हैं। उदाहरण के लिए, धौलपुर, राजस्थान में विज्ञान केंद्र की स्थापना की गई है।
- आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (ABP): 2023 में शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य देश भर के 500 ब्लॉकों में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, अवसंरचना और सामाजिक विकास जैसे क्षेत्रों में सुधार करना है।